आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे अफसर को बनाया चीफ टाउन प्लानर

एमसीएफ में रहने के दौरान कई घोटाले किए, एफआईआर तक दर्ज, कई जांच लंबित, फिर भी मिली कमाई वाली पोस्ट

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबादः शहरी स्थानीय निकाय विभाग में अंधेरगर्दी मची हुई है। नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) में जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है, कई सरकारी जांच लंबित है, कुछ तो शैक्षणिक योग्यता तक पूरी नहीं करते हैं, उन्हें कमाई वाले पदों पर नियुक्त किया जा रहा है। उन्हें सेवा विस्तार दिया जा रहा है।

चीफ टाउन प्लानर की नियुक्ति

हरियाणा सरकार ने 20 मई को सतीश पाराशर को हरियाणा का मुख्य टाउन प्लानर नियुक्त किया है। पाराशर अभी तक डेपुटेशन पर केंद्र सरकार में थे लेकिन वहां से वापस आने के बाद अब उन्हें पूरे हरियाणा की कमान सौंप दी गई है। उनका मुख्यालय पंचकुला है। यह महज एक नियुक्ति नहीं है। इसके पीछे भ्रष्टाचार की पूरी दास्तान छिपी है।

सतीश पाराशर जब एमसीएफ प्लानिंग ब्रांच में थे तो तत्कालीन कमिश्नर मोहम्मद शाइन ने सतीश पाराशर समेत प्लानिंग ब्रांच के कई अफसरों के खिलाफ एसजीएम नगर थाने में 2018 में एफआईआर दर्ज कराई थी। सतीश पाराशर एंड कंपनी ने 2017 में सीएलयू चार्ज, सब डिवीजन चार्ज, कन्वर्जन चार्ज, डीसी चार्ज, एफएआर चार्ज, कंपनसेशन चार्ज आदि में घपला कर एमसीएफ को कई करोड़ का चूना लगाया था। मोहम्मद शाइन के पास इस मामले में जब शिकायत पहुंची तो उन्होंने सीधी कार्रवाई के बजाय इस सारे मामले की जांच इंस्टिट्यूट आफ पब्लिक आडिटर्स चंडीगढ़ से जांच कराई। यह संस्था कैग से सीधे जुड़ी हुई है। इसकी जब रिपोर्ट आई तो एमसीएफ में तहलका मच गया। रिपोर्ट में कहा गया कि जो पैसा एमसीएफ के खाते में विभिन्न मदों की फीस के जरिए आता, वो सारा पैसा इन लोगों ने अपनी जेब में डाल लिया और इस तरह एमसीएफ और सरकार को कई करोड़ का नुकसान पहुंचाया। एमसीएफ प्लानिंग ब्रांच के इन सभी अफसरों से इसकी वसूली की जानी चाहिए। एमसीएफ में उस समय हुए इस घोटाले के सरगना यही सतीश पाराशर और महिपाल सिंह थे। मोहम्मद शाइन के निर्देश पर एसजीएम नगर पुलिस ने 22 मई 2018 को एफआईआर दर्ज कर ली। भ्रष्टाचार में डूबे इन अफसरों की पहुंच चंडीगढ़ तक थी। इन सभी ने मिलकर मोहम्मद शाइन का एमसीएफ से तबादला करा दिया। इस मामले की पुलिस जांच भी दबा दी गई। हरियाणा शहरी निकाय विभाग ने इसकी आगे जांच तक नहीं कराई।

गैंग का एक और कारनामा

एमसीएफ के इस गैंग ने हार्डवेयर चौक पर बिजनेसमैन अजय गुप्ता की बिल्डिंग का गलत सीएलयू कर दिया। विजिलेंस विभाग ने इसकी जांच की और आरोपों की पुष्टि होने के बाद एफआईआर कराई थी। इसमें भी मुख्य नगर योजनाकार सतीश पाराशर के अलावा वरिष्ठ नगर योजनाकार आरपी सिंगला, डीके सोलंकी, वेद सिंह, विनोद सिंह, राजेश नंदन, सतीश अग्रवाल,

राजेन्द्र गर्ग, अजय गुप्ता, बिजेन्द्र राणा, जितेन्द्र सिंह समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। यह मामला भी दबदबा गया। पुलिस की जांच आगे नहीं बढ़ सकी। लेकिन अदालत में, एमसीएफ और हरियाणा शहरी निकाय के दफ्तर में इस घोटाले के सारे दस्तावेज आज भी सुरक्षित हैं। लेकिन अब सतीश पाराशर जब खुद पंचकुला पहुंच चुका है तो मामले के दस्तावेज या तो गायब हो जाएंगे या एमसीएफ में आग लगाकर दस्तावेज नष्ट करने की जो परम्परा है, वो इन दस्तावेजों के साथ भी होगी। सतीश पाराशर अब जब पूरे हरियाणा को बतौर चीफ टाउन प्लानर संभालेगा तो अंजाम का अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

इनके अलावा एमसीएफ के पूर्व सीटीपी एस.सी. कुश के समय भी कई घोटाले हुए। जिसकी शिकायत तत्कालीन कमिश्नर मोहम्मद शाइन ने मुख्यालय को भेजी, लेकिन एस. सी. कुश पर कार्रवाई की बजाय उसे हरियाणा हरेरा का सदस्य नियुक्त कर दिया गया। हाल ही में उसका कार्यकाल हरेरा से खत्म हुआ है। कुश ने हरेरा में भी अपने फैसलों से कई बिल्डरों को फायदा पहुंचाया।

अरावली को बर्बाद भी किया

एससी कुश और सतीश पाराशर पर अरावली जोन को बर्बाद करने का भी आरोप है। 2013-14 में एससी कुश सीटीपी था और सतीश पाराशर एमसीएफ में वरिष्ठ नगर योजनाकार था। कोर्ट में अरावली की जमीन का मालिकाना हक तय नहीं है। ज्यादातर जमीन वन विभाग की है। कुछ जमीनों को एमसीएफ अपना भी बताता है। इस गिरोह ने अरावली के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ताक पर रखकर कई होटलों, बैंक्वेट हॉलों, शिक्षण संस्थाओं, फॉर्म हाउसों आदि को जमकर एलओआई (लेटर आफ इंटेंट) और सीएलयू बांटे। इसके एवज में मोटी रकम बतौर रिश्वत ली गई। तत्कालीन कमिश्नर मोहम्मद शाइन के पास शिकायत पहुंची तो उन्होंने जांच कराई। जांच में आरोप सही पाए गए। उन्होंने रिपोर्ट चंडीगढ़ भेजी। सतीश पाराशर को निलम्बित कर पंचकूला मुख्यालय से अटैच कर दिया गया। कुश जुगाड़ लगाकर बच गया। सतीश पाराशर अब उसी दफ्तर में बैठेगा, जहां वो निलम्बन के समय अटैच था। लेकिन विडम्बना देखिए कि इन अफसरों की वजह से पूरा अरावली बर्बाद है और ये अफसर आज भी मजे कर रहे हैं। इनकी कोई जवाबदेही नहीं है। इन दोनों ने सुप्रीम कोर्ट तक को ठेंगा दिखा दिया।

विवादास्पद अफसर को सेवा विस्तार की तैयारी

एमसीएफ में सीनियर टाउन प्लानर महिपाल सिंह को एक और सेवा विस्तार देने की तैयारी चल रही है। यह शख्स रिटायर हो चुका है। लेकिन रिटायर होने के बाद इसे एमसीएफ में सेवा विस्तार मिल गया। वह सेवा विस्तार 30 अप्रैल को खत्म हो गया। अब यह दोबारा से सेवा विस्तार पाने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। इसके लिए भाजपा के सारे विधायक और केंद्रीय मंत्री प्रयासरत हैं। चंडीगढ़ मुख्यालय पहुंची शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि महिपाल सिंह की शैक्षिणक योग्यता मैट्रिक के बाद आईटीआई से एक वर्षीय ड्राफ्टमैन का कोर्स है ऐसे में इस शख्स को कैसे सीनियर टाउन प्लानर पद पर रखा जा सकता है। हालांकि इसी शैक्षणिक योग्यता के दम पर महिपाल प्रमोशन भी ले गया और सेवा विस्तार भी पा गया। विभाग में शिकायतें पहुंचने के बाद इसकी फाइल रोक दी गई लेकिन अब राजनीतिक रसूख वाले लोग इसके लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं। हाल ही में इसे दोबारा सेवा विस्तार का आदेश मिलने की अफवाह फैली और नगर निगम के एक पूर्व अधिकारी ने उसे सोशल मीडिया पर भी डाल दिया लेकिन फिर हटा लिया। एमसीएफ के आला अफसरों का कहना है कि उन्होंने भी अभी तक महिपाल सिंह को फिर से सेवा विस्तार देने का आदेश नहीं देखा है।

करनाल का मोर्चा

कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में लापरवाही का आरोप, समाजसेवी की मौत

मरीजों के इलाज का ब्यौरा सार्वजनिक करने और उच्चस्तरीय जांच की मांग उठी

करनाल, (ममो): कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हो रही लापरवाही का मुद्दा अभिभावक एकता संघ ने उठाया है। उसने डीसी करनाल के जरिए सीएम मनोहर लाल खट्टर और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को ज्ञापन भेजकर आरोप लगाया है कि हाल ही में करनाल के युवा समाजसेवी मनोज गौतम के इलाज में इस मेडिकल कॉलेज में लापरवाही बरती गई, जिस वजह से उनकी मौत हो गई।

ज्ञापन में कहा गया है कि मनोज ने वैक्सीन की पहली डोज ले ली थी। उसके बाद उन्हें बुखार और खांसी आई। मनोज ने 11 मई को अपनी सीटी स्कैन करवाया तो पता चला कि वो 35 फीसदी संक्रमित हो चुके हैं। हालत बिगड़ने पर मनोज को 12 मई को कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां उनकी किसी ने परवाह नहीं की। समाजसेवी आकाश भट्ट की मदद से किसी तरह स्ट्रेचर पर उन्हें वहीं मेडिकल कॉलेज में आक्सीजन लगाई गई। इसके बावजूद उनका ठीक से इलाज शुरू नहीं हुआ। इसके बाद डीसी के कहने पर बेड मिला, लेकिन मनोज को बेड पर भी सिर्फ आक्सीजन पर रखा गया। उन्हें कोई दवा नहीं दी गई।

हालत बिगड़ गई तो उन्हें प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर ने पूरी मेहनत की लेकिन मनोज की हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि उन्हें बचाया नहीं जा सका और 20 मई को उनकी मौत हो गई।

अभिभावक एकता संघ का आरोप है कि कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में किसी का सही इलाज नहीं हो रहा है। ज्यादातर मरीजों को मात्र आक्सीजन और कुछ बेसिक मेडिसिन के सहारे छोड़ दिया जाता है, जिससे उसकी हालत बिगड़ जाती है। इन्फेक्शन के लिए जिस विशेष इलाज की जरूरत होती है वो यहां उपलब्ध ही नहीं है।

संगठन ने मांग की है कि समाजसेवी मनोज गौतम की मौत की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यह भी मांग की गई है कि कोविड संक्रमित मरीज को दिए जा रहे इलाज और उन पर किए जा रहे टेस्ट को सार्वजनिक किया जाए। यहां पर एम्स और पीजीआई की तरह मशीनें और विशेषज्ञ मेडिकल स्टाफ तैनात किया जाए।

नपा कर्मचारियों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

करनाल, (ममो) नगरपालिका कर्मचारी संघ ने प्रधान राम सिंह की अध्यक्षता में किसानों के समर्थन में हरियाणा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन व गेट मीटिंग की। गेट मीटिंग का संचालन इकाई सचिव इंदरजीत चनालिया ने किया। प्रदेश सचिव शारदा व नगरपालिका जिला करनाल के प्रधान वीरभान बिडलान ने सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज किसानों को अपनी मांगों को लेकर छह महीने पूरे हो चुके हैं। इन तीन कानूनों को रद्द कराने के लिए 500 किसान शहीद हुए फिर भी यह सरकार टस से मस नहीं हो रही है। महंगाई इतनी बढ़ गई है की पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान को छू रहे हैं। हर दिन किसी न किसी डिपार्टमेंट से कच्चे कर्मचारियों को निकाला जा रहा है। नगर निगम कार्यालय

करनाल में भी अपनी लोकल मांगों को लेकर जो प्रशासन ने समझौता किया था उसे लागू नहीं किया। जो प्रशासन ने सफाई सुपरवाइजर लगा रखे हैं इनका न कोई लिफ्ट में कोई आर्डर है न ही प्रशासन का कोई आदेश है। अब भी प्रशासन की मिली भगत से सुपरवाइजर लगाए गए हैं। संघ मांग करता है कि इन कर्मचारियों को जो सुपरवाइजर काम कर रहे हैं इनको सफाई के काम पर लगाया जाए और वरिष्ठता के अनुसार सफाई दरोगा लगाए जाएं। अगर प्रशासन ने समझौता के अनुसार हमारी मांगों की ओर ध्यान नहीं दिया तो नगर पालिका कर्मचारी संघ बड़ा आंदोलन करेगा। इस मौके पर इकाई उप प्रधान विनोद प्रोचा, सुमेर चंद, इकाई महिला विंग प्रधान सरोज, उर्मिला, सोनी व सुरेंदर ने कर्मचारियों को संबोधित किया।

मोदी, खट्टर और दुष्यंत के पुतलों के मुंह काले किए

इन्द्री, (जेके शर्मा) किसानों की मांग को लेकर सरकार के रवैये के विरोध में किसानों ने इन्द्री, कलसोरा, भादसो सहित कई जगहों पर सरकार विरोधी प्रदर्शन कर पीएम, सीएम व दुष्यंत चौटाला के पुतले फूंके।

इंद्री में भारतीय किसान यूनियन ने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के पुतले फूंक कर सरकार विरोधी दिवस मनाया। इस मौके पर यूनियन के सदस्यों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपने वाहनों व दुकानों पर काले झंडे लहराए। भारतीय किसान यूनियन के इंद्री हल्का अध्यक्ष मनजीत सिंह चौगामा के नेतृत्व में किसान काले झंडे लेकर मंडी में पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। किसानों ने नरेंद्र मोदी, मनोहर लाल खट्टर और दुष्यंत चौटाला के पुतलों का दहन कर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों को तत्काल पूरा नहीं किया गया तो आने वाले चुनाव में भाजपा का जनता सफाया कर देगी।

गांव कलसोरा में किसानों ने भाकियू युवा जिला प्रधान सतीश कलसौरा के नेतृत्व में किसानों ने काले झंडे लगाने व पुतला दहन का कार्यक्रम किया। इस मौके पर सत्तासीनों के पुतले दहन करने से पहले उन पर जुते बरसाए गए। उन्होंने भाजपा सरकार पर नीतियों व नीयत पर हमला बोलते हुए कांग्रेस को अपनी विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम रहने के आरोप लगाए।

मजदूर व कर्मचारी संगठनों ने मनाया काला दिवस

करनाल, (जेके शर्मा) सीटू, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन व अखिल भारतीय किसान सभा की संयुक्त मीटिंग में किसानों द्वारा काला दिवस मनाए जाने का खुला समर्थन किया गया। सीटू के जिला सचिव जगपाल राणा, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के राज्य प्रधान कामरेड जगमाल सिह व अखिल भारतीय किसान सभा के नेता कामरेड सुरेन्द्र सिह ने केंद्र व राज्य की सरकार की आलोचना करते हुए ग्रामीणों से आह्वान किया कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर केंद्र सरकार की किसान मजदूर एवं जनता विरोधी नितियों के खिलाफ काला दिवस मनाते हुए अपने मकानों, साधनों व टयूबवेल पर काले झंडे लगाकर गांव में मोदी सरकार के पुतले जलाएं। कर्मचारी नेताओं ने आन्दोलन को लेकर गांव कुड़लन, मन्चूरी, गुल्लरपुर व जलमाना में मीटिंग की।